(आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 31281/78) O.I.G.S. डाक पंजीयन क्रमांक जयपुर सिटी/205/2024-26

सत्यमेव जयते

राजस्थान रोजगार संदेश

पाक्षिक

(राजस्थान सरकार के रोजगार सेवा निदेशालय द्वारा प्रकाशित व्यावसायिक मार्गदर्शन एवं रोजगार संबंधी सूचनाओं का एकमात्र प्रकाशन)

वर्ष 47 अंक 19 | Website:http://employment.livelihoods.rajasthan.gov.in | 15 नवम्बर, 2024 | मूल्य : 3.00 | वार्षिक शुल्क 60 रु

बिग डेटा अनलिटिक्स और इसमें करियर के अवसर

- विजय प्रकाश श्रीवास्तव

दुनिया में हम बहुत सारे बदलाव होते हुए देख रहे हैं। करियरों की दुनिया भी बदल रही है। करियर के बहुत से क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें लोगों की माँग पहले भी थी और आज भी है। इसके साथ ही अनेक नए क्षेत्र भी उभर कर सामने आए हैं। इन नए क्षेत्रों में अधिकांश का संबंध विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से है। बिग डेटा अनलिटिक्स की उत्पत्ति भी प्रौद्योगिकी से ही हुई है।

जैसे-जैसे दुनिया आगे की ओर बढ़ रही है, उपभोग का स्तर बढ़ रहा है और इसलिए उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी हो गया है। यहाँ हम विनिर्माण तथा सेवा, दोनों क्षेत्रों की बात कर रहे हैं। जब माँग ज्यादा हो तो भौतिक वस्तुओं का उत्पादन अधिक संख्या में करना होता है तथा सेवाओं की उपलब्धता बढ़ानी होती है। इस वृद्धि की योजना बनाने में बिग डेटा अनलिटिक्स की मदद ली जा सकती है। यह बिग डेटा अनलिटिक्स के उपयोग का सिर्फ एक उदाहरण है, इस तरह के और कई उपयोगों की चर्चा हम आगे करेंगे। पहले हमारे लिए यह समझना जरूरी है कि बिग डेटा तथा बिग डेटा अनलिटिक्स से आशय क्या है?

डेटा अर्थात् आंकडों से हमारा वास्ता हमेशा पड़ता रहता है। हमारी आपकी इस समय जो भी आयु है वह एक आंकड़ा है, राज्यों या देशों की जनसंख्या भी आंकड़ों में ही व्यक्त की जाती है। आंकड़े छोटे-बड़े समूहों में हो सकते हैं। दुनिया में प्रति पल नए आंकड़े जुड़ते जा रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि एक दशक पहले तक दुनिया में जितना डेटा मौजूद था उससे अधिक डेटा विगत मात्र एक दशक में सृजित हुआ है। इसे उदाहरण द्वारा समझने के लिए ई कामर्स की वेबसाइट पर होने वाली खरीद बिक्री पर ध्यान दें। डेटा बनने की शुरुआत तभी से हो जाती है जब कोई इसकी साइट या एप पर जाकर खरीदी जाने वाली कोई वस्तु ढूँढता है। किन वस्तुओं की सर्च की जा रही है, सर्च सबसे अधिक किस समय की जाती है, कितने मामलों में सर्च करके छोड़ दिया जाता है और कितने मामलों में ख़रीदारी की जाती है, कीमतों में छूट का बिक्री पर क्या असर पड़ता है, खरीदी गई वस्तुओं के बारे में ग्राहकों की क्या प्रतिक्रिया है, बेचे गए सामानों में से कितना और कौन-सा सामान लौटाया जाता है, आदि का डेटा निकाला जाता है । इस सारे डेटा को हम बिग डेटा कहेंगे । इस बिग डेटा का विश्लेषण कर ऐसे निष्कर्षों पर पहुँचा जा सकता है जो व्यापारिक निर्णय लेने में मददगार होते हैं। यहाँ डेटा की मात्रा अत्यधिक विशाल होती है और इसका विश्लेषण उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ही किया जा सकता है। केवल व्यक्तियों या पुरानी प्रौद्योगिकी के भरोसे यह विश्लेषण नहीं हो सकता।

डेटा अनलिटिक्स शब्द अँग्रेजी के अत्यधिक प्रचलित शब्द अनालिसिस से बना है । अनलिटिक्स, अनालिसिस का विज्ञान है इस विज्ञान में डेटा विश्लेषण के लिए तरीके व साधन विकसित किए जाते हैं। यह विश्लेषण विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार बिग डेटा अनलिटिक्स आंकड़ों, सांख्यिकीय एवं मात्रात्मक विश्लेषण का व्यापक उपयोग कर तथ्यात्मक निष्कर्ष निकालना है ताकि प्रबंधन एवं निर्णयों में वैज्ञानिकता लाई जा सके।

डेटा अनलिटिक्स के मोटे तौर पर पर तीन पहलू हैं -

डिस्क्रिप्टिव अनलिटिक्स, डेटा अनलिटिक्स का प्रारम्भिक अथवा यू कह लें, सबसे सरल रूप है जिसमें पहले से एकत्र आंकड़ों का अध्ययन किया जाता है। एक बड़े होटल का उदाहरण लें जिसमें ठहरने की, भोजन की और कई अन्य सुविधाएं मौजूद हैं। होटल में कुछ लोग सिर्फ ठहरने के लिए आते होंगे, कुछ लोग सिर्फ भोजन के लिए और कुछ एक से अधिक सुविधाओं का लाभ लेते होंगे। प्रत्येक ग्राहक को उसके द्वारा उपभोग की गई सेवाओं के लिए सेवाओं के विवरण तथा उनके मूल्य सहित बिल जारी किया जाता होगा । डिस्क्रिप्टिव अनलिटिक्स का उपयोग कर होटल यह जान सकता है कि एक दिन, सप्ताह, माह या वर्ष में उसकी किन सेवाओं की कितनी मात्रा में बिक्री हुई है और उसे इनके लिए कितनी राशि प्राप्त हुई है। यदि यहाँ मामला किसी होटल चेन का हो तो इसके सभी होटलों के लिए उक्त जानकारी जुटाई जा सकती है। इस प्रकार से मिले डेटा की उपयोगिता मुख्यत: तुलनात्मक अध्ययन एवं आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन के लिए होती है। कहा जा सकता है कि डिस्क्रिप्टिव अनलिटिक्स, प्रिस्क्रिप्टिव तथा प्रिडिक्टिव अनलिटिक्स के लिए जमीन का काम करती है।

प्रिस्क्रिप्टिव अनलिटिक्स से बिग डेटा अनलिटिक्स में निहित संभावनाओं का पता चलता है। प्रिस्क्रिप्टिव अनलिटिक्स के प्रयोग से विविध मामलों में प्रवृत्तियों का पता लगाया जा सकता है जिन्हें समझ कर भावी योजनाओं को बेहतर रूप देना संभव होता है। होटल के उक्त उदाहरण में प्रिस्क्रिप्टिव अनलिटिक्स यह बता सकती है कि इस होटल श्रृंखला की आय में भिन्न कार्यकलापों का किस प्रकार से योगदान है, किस होटल की आकुपेंसी दर कितनी है, कौन-सा होटल ज्यादा लाभ कमा रहा है, किस होटल द्वारा विज्ञापनों पर कितना खर्च किया गया है, लाभ से इस खर्च का अनुपात क्या है आदि । यह भी जाना सकता है कि अन्य समकक्ष होटल समूहों की तुलना में इस समूह का प्रदर्शन कैसा है। तुलनात्मक अध्ययन कर यह समूह अपनी कमजोरियों एवं शक्तियों को समझ सकता है। यह समझ आगे की रणनीति तय करने में सहायक हो सकती है।

प्रिडिक्टिव अनलिटिक्स में बीते समय के डेटा की छानबीन कर इसमें पैटर्न ढूँढ़ा जाता है। सांख्यिकी व खास तौर से बनाए गए साफ्टवेयर का प्रयोग कर पैटर्न जानने के बाद इसके आधार पर भविष्य के लिए पूर्वानुमान लगाए जाते हैं। इन पूर्वानुमानों की उपयोगिता कई प्रकार से होती है। संगठन को भावी जोखिमों या संकटों का आभास मिल सकता है और इनसे निपटने के लिए तैयारी शुरू की जा सकती है। व्यवसाय के विस्तार अथवा नए व्यवसाय क्षेत्रों में प्रवेश के विभिन्न परिदृश्यों का अध्ययन कर निर्णय लिए जा सकते हैं। यदि मानव संसाधन प्रबंधन की बात करें तो संगठन इस जैसी बातों को हिसाब में लेकर कि आगे कारोबार कैसे बढ़ेगा, कितनी संख्या में लोग नौकरी छोड़ कर जा सकते हैं, आगामी वर्षों हेतु अपनी जनशक्ति आयोजना तैयार कर सकते हैं। ऊपर वर्णित होटल श्रृंखला प्रिडिक्टिव अनलिटिक्स के आधार पर तय कर सकती है कि इसके किस होटल में और कमरे जोड़े जाने चाहिए, किस खास होटल में किन सेवाओं का विस्तार करना अधिक लाभदायक होगा आदि।

ऊपर उदाहरणों से अनलिटिक्स के विभिन्न उपयोगों को समझाने की कोशिश की गई है। बिग डेटा अनलिटिक्स के लाभ इससे कहीं ज्यादा और व्यापक हैं। प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों वित्त, मार्केटिंग, परिचालन के साथ विनिर्माण क्षेत्र में भी स्थितियों को समझने और बेहतर करने में बिग डेटा अनलिटिक्स पर निर्भरता में लगातार वृद्धि हो रही है।

बिग डेटा अनलिटिक्स के करियर हेतु तैयारी

बिग डेटा अनलिटिक्स विशेषज्ञता का क्षेत्र है। इसके करियर में प्रवेश के लिए सैद्धान्तिक ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव दोनों की जरूरत पड़ती है । आपको संख्याओं के साथ कार्य करने में रुचि होनी चाहिए, साथ ही गणित से लगाव होना चाहिए। फिर मोटे तौर पर आप निम्न तीन रास्तों में से किसी एक को चुन सकते हैं -

सर्टिफिकेशन हासिल करना : डेटा अनलिटिक्स एवं बिग डेटा अनलिटिक्स में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन बहुत से सर्टिफिकेशन उपलब्ध हैं । पहले आपको इस विषय की पढ़ाई करनी होती है और टेस्ट देना होता है। टेस्ट उत्तीर्ण कर लिया तो सर्टिफिकेशन मिल जाता है।

ट्रेनी के रूप में कार्य : जो कंपनियाँ सीधे बिग डेटा अनलिटिक्स का कार्य कर रही हैं, उनमें ट्रेनी के रूप में कार्य कर आप प्रशिक्षित हो सकते हैं और इसके बाद आप वहीं या अन्यत्र नियोजित हो सकते हैं। सर्टिफिकेशन हो तो अच्छा है, पर बगैर इसके भी आपको अवसर मिल सकता है। हाँ, एप्टीट्यूड टेस्ट देना हो सकता है।

औपचारिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश : आप स्नातक, परास्नातक एवं डिप्लोमा स्तर पर बिग डेटा अनलिटिक्स की पढ़ाई कर सकते हैं। बीएससी /बीबीए/ बीटेक/एमएससी/एमबीए/एमटेक (डेटा साइंस / डेटा अनलिटिक्स / बिजनेस अनलिटिक्स जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। कुछ पाठ्यक्रमों में आपको इस विषय स्पेशियलाइजेशन करने का विकल्प होता है तो कुछ पाठ्यक्रम पूर्णतः इसी विषय पर केंद्रित होते हैं।

शामिल विषय : डेटा अनलिटिक्स के पाठ्यक्रम में आपको डेटा की विशेषताओं, डेटा वेयरहाउस, डेटाबेस, डेटा माइनिंग, अनलिटिक्स के प्रकारों, सांख्यिकीय पद्धतियों, बिजनेस इंटेलीजेंस, जानकारी निकालने, पैटर्न पहचानने, स्ट्रक्चर्ड क्वेरी लैंगवेज़, सहसंबंध विश्लेषण, मांग पूर्वानुमान, टाइम सीरीज मॉडल, डिसीजन ट्री आदि के बारे में पढ़ने को मिलेगा।

साथ ही आपको अनिवार्य रूप से कंप्यूटर प्रोग्राम/भाषाओं जैसे की हडूप, पाइथन, आर व जावा की अच्छी समझ विकसित करनी होगी ।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

◆ पीएचडी कैसे करें ◆

- डॉ. नरेंद्र कुमार परेवा

शिक्षा जगत की उच्चतम डिग्री है डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी अर्थात् पीएचडी। पीएचडी को डॉक्टरेट भी कहा जाता है। एकेडमिक अनुशासन में पीएचडी उच्चतम स्तर की डिग्री है। प्रख्यात शिक्षाविद, विषय विशेषज्ञ, बौद्धिक जन का प्रतीक है पीएचडी। पीएचडी एक डिग्री ही नहीं, एक उपाधि भी है।

संविधान के अनुच्छेद 18(1) के अनुसार उपाधियां निषिध है, किंतु शैक्षणिक उपाधियों पर कोई निषेध नहीं है। पीएचडी उनमें से एक है।

एक पीएचडी धारक को बोलचाल में डॉक्टर कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि अपने विषय में वह अन्य व्यक्तियों की तुलना में विशेष एवं गहरा ज्ञान रखता है। इस डिग्री से रोजगार के शानदार अवसर के द्वार खुलते हैं। जून 2024 के बाद विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में सहायक आचार्य, सह आचार्य, आचार्य, शोध सहायक हेतु नेट सेट के साथ पीएचडी होना आवश्यक है।

एक अच्छे स्कॉलर एवं प्रोफेसर के लिए डॉक्टरेट करना पेशे की नैतिकता मे रुचि का संकेत माना जाता है। वे अपने अनुसंधान के निष्कर्ष सरकार को अनुशंसा कर सकते है। उनके करियर की संभावनाओं का विस्तार होता है। उनमे बौद्धिक जिज्ञासा का विस्तार होने के साथ ही शैक्षणिक अनुभव समृद्ध होता है। शोध शिक्षण परामर्श प्रतिष्ठा नेतृत्व के अवसर बढ़ते है। पीएचडी धारक अपने विषय का मास्टरमाइंड अथवा विशेषज्ञ होता है। उसमें वैज्ञानिकता, तार्किकता का प्रसार होता है।

डॉक्टर शब्द का इतिहास डॉक्टर शब्द लैटिन भाषा के 'डिकोरे' शब्द से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ है - 'सिखाना'। 14वीं सदी में इस शब्द की उत्पत्ति हुई। जब रोमन कैथोलिक चर्च मे धर्म की शिक्षा एवं चर्च के आदेशों की व्याख्या एवं सिखाने वाले विद्वान शिक्षक को डॉक्टर कहा जाता था।

किंतु 19वीं सदी के प्रारंभ में चिकित्सकों को डॉक्टर कहना समाज में प्रचलित हुआ। धीरे-धीरे आम जनमानस में डॉक्टर का अर्थ चिकित्सक स्थापित हो गया। जबकि डॉक्टर शब्द विद्वान शिक्षकों के संदर्भ में उत्पन्न हुआ है।

वर्तमान में दो तरह के डॉक्टर है -

एक, डॉक्टर बाय प्रोफेशन, जो कि चिकित्सक हैं।

दो, डॉक्टर बाय एकेडमिया- वे शिक्षक जो विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में कार्यरत है। डॉक्टर बाय एकेडमिया निरंतर चिंतन, मनन, विश्लेषण एवं शोध से संबंधित है।

पात्रता -

पीएचडी हेतु किसी भी स्ट्रीम में स्नातकोत्तर होना पहली आवश्यक अहत्ता अहर्त्ता है।

किसी भी स्ट्रीम यथा- कला, वाणिज्य, विज्ञान आदि के स्नातक में 48% एवं स्नातकोत्तर में 55% अंक होना आवश्यक है।

आवेदन प्रक्रिया -

विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं द्वारा पीएचडी कार्यक्रम समाचार पत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते हैं। इच्छुक व्यक्ति तय समय सीमा मे अपना आवेदन संबंधित एजेंसी को प्रेषित करता है। संबंधित विश्वविद्यालय अथवा संस्थान प्रवेश परीक्षा का आयोजन करता है।

कोर्सवर्क -

प्रवेश परीक्षा मे उत्तीर्ण व्यक्ति को 6 माह अथवा 180 घंटे का का कोर्स वर्क कार्यक्रम करवाया जाता है, जिसमें शोध इच्छुक व्यक्ति शोध प्रणाली अथवा प्रक्रिया को समझता है। शोध को मौलिक निष्पक्ष तटस्थ बनाने में कोर्स वर्क का बड़ा महत्व है। इस बीच उसे कम से कम दो सेमिनार मे भाग लेने एवं दो शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया जाता है। ताकि उसके द्वारा सीखी गई शोध पद्धति एवं प्रक्रिया का प्रैक्टिकल हो जाए। तत्पश्चात् आयोज्य विश्वविद्यालय अथवा संस्थान उनके शोध मे मार्गदर्शन के लिए शोध निदेशक (सुपरवाइजर अथवा रिसर्च गाइड) अलाट करता है। कई स्थापित कॉलेजों में भी रिसर्च सेंटर खुल रहे हैं, जिससे शोध इच्छुक विद्यार्थियों को सुगमता प्राप्त होगी। रिसर्च गाइड के लिए विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक अधिकृत है, जिन्होंने पीएचडी की हुई है और जो पीजी क्लासेस को निश्चित वर्षों तक पढ़ाऐं हुए है।

सिनॉप्सिस तैयार करना -

रिसर्च गाइड अलाट होने के साथ ही विद्यार्थी एक शोधार्थी के रूप में अपना काम शुरू करता है। सबसे पहले वह अपने गाइड के निर्देशन में अपने विषय में भी किसी एक पसंदीदा विषय पर अपने शोध का मसौदा अथवा प्रस्ताव (सिनॉप्सिस) तैयार करता है। आजकल अंतर अनुशासनात्मक शोध की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सिनॉप्सिस एक शोध प्रस्ताव अथवा मसौदा होता है जिसमें शोध समस्या का वर्णन होता है। इसमें शोध की डिजाइन एवं उपयुक्त पद्धति का अंकन होता है।

डीआरसी बैठक -

सिनॉप्सिस को गाइड द्वारा पास किए जाने पर विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी) के समक्ष प्रस्तुत करना होता है। डीआरसी में विभागाध्यक्ष, सबजेक्ट एक्सपर्ट, रिसर्च सुपरवाइजर होते है। डीआरसी में शोधार्थी को अपने शोध से संबंधित प्रश्नों का जवाब देने होते है। डीआरसी के संतुष्ट होने पर शोधार्थी की सिनॉप्सिस को पास कर दिया जाता है और उसे अपने सिनॉप्सिस पर अपना शोध प्रबंध (थीसिस) लिखने हेतु निर्देशित किया जाता है।

थीसिस लेखन -

इस हेतु शोधार्थी को 3 वर्ष का समय दिया जाता है। विशेष परिस्थिति में गाइड की सहमति से इसे 2 वर्ष और बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान छात्रवृत्ति भी दी जाती है। यदि शोधार्थी यूजीसी जेआरएफ नेट होता है तो उसे प्रतिमाह 38000 रु. छात्रवृत्ति प्राप्त होती है। शोध प्रबंध लिखते समय शोधार्थी को शोध से संबंधित तथ्य संकलन हेतु फील्ड वर्क पुस्तकालय, अभिलेखागार विजिट, प्रयोगशाला, अवलोकन, साक्षात्कार, रचनात्मक चिंतन, तथ्य विश्लेषण आदि शोध पद्धति एवं प्रक्रिया से गुजरना होता है। समय-समय पर शोधार्थी अपने गाइड से शोध से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए शोध प्रबंध लिखना होता है।

प्री सबमिशन -

शोध प्रबंध को गाइड द्वारा स्वीकृत किया जाने पर आयोजन संस्थान अथवा विश्वविद्यालय में प्री सबमिशन करना होता है। शोध समिति के संशोधन एवं सुझाव को शामिल करते हुए एक बार फिर थीसिस को दुरस्त किया जाता है। और फिर थीसिस का बाइंडिंग एवं प्रकाशन करवाया जाता है।

मौखिकी (वायवा) -

पीएचडी प्रक्रिया के अंत मे शोधार्थी के द्वारा रचित थीसिस पर वायवा आयोजित होता है। वायवा में आपके रिसर्च टाइटल के अनुरुप देश के ख्यातनाम विशेषज्ञ, अन्य एक्सपर्ट सहित रिसर्च सुपरवाइजर मौजूद रहते हैं।

डिग्री अथवा उपाधि वितरण -

वायवा में सफल होने के बाद शोधार्थी को डॉक्टरेट की उपाधि एवं प्रमाण पत्र महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा प्रदान कर दी जाती है।

यद्यपि यह समय, श्रम, अर्थ के रूप में खर्चीली डिग्री अथवा उपाधि है। किंतु अपने विषय के विकास, ज्ञान प्रसार एवं रोजगार हेतु यह डिग्री अत्यंत आवश्यक है। स्कॉलर चाहे तो इसके बाद पोस्ट डॉक्टेरल फैलोशिप (पीडीएफ) भी कर सकते हैं। अतः शोधार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी पीएचडी पूर्ण समर्पण, प्रतिबद्धता एवं समयबद्धता के साथ करें।

लेखक पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दौसा में सह आचार्य (समाजशास्त्र) के पद पर कार्यरत है।

भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड
भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन

विज्ञापन सं. 06/2024

भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल), पूर्ण रूप से भारत सरकार के स्वामित्व में एक अनुसूची 'ए' मिनी रत्न श्रेणी-I केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है, जिसने **13 जनवरी, 2006** से एक निगमित इकाई के रूप में कार्य आरंभ किया. कंपनी का उद्देश्य और व्यवसाय प्रतिभूति दस्तावेजों को डिज़ाइन करना, विनिर्माण करना, मुद्रा और बैंक नोट, पासपोर्ट, गैर-न्यायिक स्टांप पेपर, डाक टिकटों की छपाई और सिक्कों की ढलाई करना है. एसपीएमसीआईएल, आर्थिक मामले विभाग, वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है, जिसका **पंजीकृत और कार्पोरेट कार्यालय 16वीं मंजिल, जवाहर व्यापार भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110001 में स्थित है.**

रणनीतिक रूप से कंपनी की देश भर में परिचालन इकाईयां स्थित हैं, जिनमें मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और नोएडा में चार टकसाल, नाशिक, देवास और हैदराबाद में चार मुद्रा/प्रतिभूति मुद्रणालय, नर्मदापुरम में एक उच्च गुणवत्ता की कागज विनिर्माण मिल और मुद्रा पेपर विनिर्माण इकाई शामिल हैं.

भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक विभिन्न प्रतिभूति उत्पादों के निर्माण में संलग्न प्रतिभूति मुद्रणालयों में से एक है और पासपोर्ट निर्माण गतिविधि इसकी प्रमुख उत्पादन गतिविधियों में से एक है. तकनीकी परिवर्तन और उन्नति को ध्यान में रखते हुए, भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय वर्तमान पासपोर्ट (एमआरटीडी) से ई-पासपोर्ट (ई-एमआरटीडी) के निर्माण हेतु स्विच कर रहा है. एक ई-पासपोर्ट रेडियो-फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) /बायोमेट्रिक और एम्बेडेड माइक्रोचिप का उपयोग करता है, जिसमें पासपोर्ट के लिए आईसीएओ के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यताप्राप्त लोगो होता है और भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने के लिए अनुभवी पेशेवरों की आवश्यकता होती है.

कंपनी एसपीएमसीआईएल के **मानव संसाधन, वित्त और लेखा, सामग्री प्रबंधन, विधिक तथा सूचना प्रौद्योगिकी** विंग को मज़बूत करने की क्षमता रखने वाले उच्च योग्यता प्राप्त और प्रतिभाशाली पेशेवरों की भर्ती करना चाहती है और तदनुसार, **कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली और भारत भर में स्थित इसकी 9 इकाईयों में से किसी में भी सीधी भर्ती के आधार पर निम्नलिखित पद भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं :**

क्र. सं.	पद का नाम	स्तर	वेतनमान	पदों की संख्या	24.11.2024 को अधिकतम आयु
उप प्रबंधक (आईटी)					
1.	उप प्रबंधक (आईटी) - एप्लीकेशन डेवलपर	ई-2	रु. 50000-160000	2 (2-अना)	35 वर्ष
2.	उप प्रबंधक (आईटी)- साइबर सुरक्षा			1 (1-अना)	
3.	उप प्रबंधक (आईटी)- ओपन सोर्स एप्लीकेशन डेवलपर			1 (1-अजा)	
वित्त और लेखा					
4.	सहायक प्रबंधक (एफ एंड ए)	ई-1	रु. 40000-140000	10 (5-अना, 2-अपिव 1-अजा, 1-ईडब्ल्यूएस और 1-अजजा)	30 वर्ष
मानव संसाधन					
5.	सहायक प्रबंधक (मा.सं.)	ई-1	रु. 40000-140000	6 (3-अना, 1-अपिव, 1-अजजा और 1-ईडब्ल्यूएस)	30 वर्ष
सामग्री प्रबंधक					
6.	सहायक प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन)	ई-1	रु. 40000-140000	1 (1- ईडब्ल्यूएस)	30 वर्ष
सूचना प्रौद्योगिकी					
7.	सहायक प्रबंधक (आईटी)	ई-1	रु. 40000-140000	1 (1-अपिव)	30 वर्ष
विधिक					
8.	सहायक प्रबंधक (विधिक)	ई-1	रु. 40000-140000	1 (1-अना)	30 वर्ष

टिप्पणी : 'ऊपर वर्णित 23 रिक्तियों में से, 1 पद क्षैतिज आरक्षण के तहत पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए चिन्हित किया गया है.

I- पात्रता मानदंड (24.11.2024 को) :

क्र. सं.	पद का नाम	स्तर	अपेक्षित अर्हता
1.	उप प्रबंधक (आईटी) - एप्लीकेशन डेवलपर	ई-2	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों या समकक्ष सीजीपीए के साथ प्रथम श्रेणी पूर्णकालिक बी.ई./बी.टेक. **अर्हता उपरांत अनुभव** 50 करोड़ रुपये से अधिक टर्नओवर वाले सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/सरकारी/प्रतिष्ठित निजी कंपनी में अधिकारी/अधिशासी के रूप में प्रासंगिक कार्यात्मक क्षेत्र में 3 वर्ष का अनुभव. **अनिवार्य अनुभव :** नीचे उल्लिखित प्रासंगिक क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष का योग्यता-पश्चात अनुभव होना चाहिए : सी # /जावा /जावास्क्रिप्ट/एएसपी.नेट/पीएचपी
2.	उप प्रबंधक (आईटी)- साइबर सुरक्षा	ई-2	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों या समकक्ष सीजीपीए के साथ प्रथम श्रेणी पूर्णकालिक बी.ई./बी.टेक. स्नातकोत्तर स्तर पर साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता या सीईएच (प्रमाणित नैतिक हैकर)/प्रमाणित क्लाउड सुरक्षा पेशेवर (सीसीएसपी)/सीआईएसएसपी/कॉम्प टीआईए, सीवाईएसए +/ जीएसईसी/ओएससीपी (आक्रामक सुरक्षा प्रमाणित पेशेवर)/ सीआईएसएम में से किसी एक में प्रमाणन. **अर्हता उपरांत अनुभव** 50 करोड़ रुपये से अधिक टर्नओवर वाले सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/सरकारी/प्रतिष्ठित निजी कंपनी में अधिकारी/अधिशासी के रूप में प्रासंगिक कार्यात्मक क्षेत्र में 3 वर्ष का अनुभव. **अनिवार्य अनुभव** निम्नलिखित क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष का योग्यता-पश्चात अनुभव होना चाहिए :- (i) प्रमुख सुरक्षा प्रौद्योगिकियों (नेक्स्ट जेन फायरवॉल, आईडीएस/आईपीएसए एसआईईएम/एसओएआर, एसएन-एमपीवी3, ईडीआर, सिस्लॉग) में अनुभव होना चाहिए. (ii) सुरक्षा खतरों/खतरे की खुफिया जानकारी के उपकरणों और ढांचे/खतरे के हमले के तरीकों/साइबर फोरेंसिक से निपटने का अनुभव होना चाहिए. (iii) वीएपीटी टूल्स (बर्प सूट /मेटास्प्लॉइट /(रूबी)/ एक्यूनेटिक्स /ओपनवास /नेसस /जेडएपी /कमांडोवी, वायरशार्क, एनएमएपी) में अनुभव होना चाहिए.
3.	उप प्रबंधक (आईटी) - ओपन सोर्स एप्लीकेशन डेवलपर	ई-2	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों या समकक्ष सीजीपीए के साथ प्रथम श्रेणी में पूर्णकालिक बी.ई./बी.टेक. **अर्हता उपरांत अनुभव** 50 करोड़ रुपये से अधिक टर्नओवर वाले सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम/सरकारी/प्रतिष्ठित निजी कंपनी में अधिकारी/अधिशासी के रूप में प्रासंगिक कार्यात्मक क्षेत्र में 3 वर्ष का अनुभव. अनिवार्य अनुभव- निम्नलिखित क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष का योग्यता-पश्चात अनुभव होना चाहिए :- (i) डेटाबेस प्रबंधन (माई एसक्यूएल/ मारिया डीबी/ पोस्टल ग्रेएसक्यूएल/ एनओएसक्यूएल/ मोंगोडीबी/ एमएस एसक्यूएल /ओरेकल) में अनुभव होना चाहिए.
4.	सहायक प्रबंधक (एफ एंड ए)	ई-1	वाणिज्य स्नातक (बी.कॉम) डिग्री के साथ-साथ सीए/ आईसीडब्ल्यूए.
5.	सहायक प्रबंधक (मा.सं.)	ई-1	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/प्रबंधन संस्थान से कार्मिक प्रबंधन एवं आईआर/एमएसडब्ल्यू में प्रथम श्रेणी पूर्णकालिक मास्टर डिग्री/एमबीए, मा.सं. ऐच्छिक विषय के साथ. **अथवा** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/प्रबंधन संस्थान से प्रथम श्रेणी में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर डिप्लोमा (मा.सं. ऐच्छिक सहित) जो कि एमबीए के समकक्ष हो.
6.	सहायक प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन)	ई-1	मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/पल्प एवं पेपर टेक्नोलॉजी/इलेक्ट्रॉनिक्स/ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विषयक्षेत्र में इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी पूर्णकालिक डिग्री. **और** सामग्री प्रबंधन/भंडार प्रबंधन/खरीद/संचालन प्रबंधन/आपूर्ति शृंखला प्रबंधन/लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के क्षेत्र में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री/स्नातकोत्तर डिप्लोमा/एमबीए.
7.	सहायक प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी)	ई-1	प्रथम श्रेणी पूर्णकालिक एमसीए/प्रथम श्रेणी पूर्णकालिक बी.टेक (कम्प्यूटर इंजीनियरिंग/आईटी).
8.	सहायक प्रबंधक (विधिक)	ई-1	**अनिवार्य अर्हता :** सरकारी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से कानून में प्रथम श्रेणी की डिग्री (नियमित पाठ्यक्रम). वांछनीय : राष्ट्रीय विधि विद्यालय/दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से विधि की डिग्री.

टिप्पणी :

- **आवेदकों को आवेदन करने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वे पदों के लिए विज्ञापन में उल्लिखित सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं. कंपनी मूल दस्तावेजों के संदर्भ में पात्रता का सत्यापन तभी करेगी जब आवेदक ऑनलाइन परीक्षा परिणाम में योग्य पाया जाएगा. यदि दस्तावेज़ सत्यापन प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवार योग्य नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें चयन प्रक्रिया के अगले चरण के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी और उनकी उम्मीदवारी को अस्वीकार कर दिया जाएगा. भर्ती प्रक्रिया के सभी चरणों में उनका प्रवेश इस विज्ञापन में उल्लिखित निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अधीन पूरी तरह से अनंतिम होगा. जो आवेदक आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक आयु और/या आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता पूरी नहीं करते हैं, वे पात्र नहीं हैं और उन्हें पद के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है.**
- **आंतरिक उम्मीदवार, जिन्होंने अंशकालिक पाठ्यक्रम के माध्यम से उपरोक्त अपेक्षित योग्यता प्राप्त की है, उन्हें पात्र माना जाएगा, यदि उन्होंने सेवा के दौरान पूर्व अनुमोदन के साथ इसे प्राप्त किया है, बशर्ते कि उन्होंने 24.11.2024 तक एसपीएमसीआईएल में 5 वर्ष की सेवा की हो. यह छूट तब लागू नहीं होगी यदि योग्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया एसपीएमसीआईएल में शामिल होने से पहले शुरू या पूरी की गई होगी.**

(क्रमशः)

1. महत्वपूर्ण तिथियां -

ऑनलाइन आवेदन के लिए वेबसाइट लिंक खोलना	25.10.2024
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि	24.11.2024 (अपराह्न 5:30 बजे तक)
ऑनलाइन मोड में शुल्क का भुगतान	25.10.2024 से 24.11.2024
ऑनलाइन परीक्षा	तिथि की जानकारी वेबसाइट पर दी जाएगी
वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए लिंक	तिथि की जानकारी वेबसाइट पर दी जाएगी

2. आयु सीमा-

- विज्ञापन में निर्दिष्ट ऊपरी आयु सीमा खुले बाजार से सामान्य उम्मीदवारों के लिए है.
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए ऊपरी आयु में 5 वर्ष और अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए (आरक्षित पदों के लिए) 3 वर्ष की छूट.
- दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण, जहां पदों के तहत पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षण स्वीकार्य है, ऊपरी आयु में पीडब्ल्यूबीडी, अनारक्षित उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष, पीडब्ल्यूबीडी अजा/अजजा उम्मीदवारों के लिए 15 वर्ष और पीडब्ल्यूबीडी अपिव उम्मीदवारों (केंद्रीय सूची के) के लिए 13 वर्ष की छूट.
- दिव्यांग व्यक्तियों को मौजूदा नियमों के अनुसार आयु में छूट केवल उन व्यक्तियों को दी जाएगी जिनकी दिव्यांगता न्यूनतम 40 प्रतिशत है.
- भूतपूर्व सैनिकों को ऊपरी आयु सीमा में छूट मौजूदा सरकारी नियमों के अनुसार दी जाएगी.
- आयु, न्यूनतम योग्यता-पश्चात अनुभव और योग्यता की गणना 24.11.2024 के अनुसार होगी.
- अपेक्षित योग्यता और अनुभव पूरा करने वाले सेवारत एसपीएमसीआईएल कर्मचारियों के लिए कोई आयु सीमा नहीं होगी, बशर्ते विज्ञापन की तिथि तक उनकी सेवा कम से कम तीन वर्ष शेष हो.
- अनारक्षित रिक्तियों के तहत आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में कोई छूट स्वीकार्य नहीं है.

3. परीक्षा शुल्क और सूचना प्रभार-

सामान्य, ईडब्ल्यूएस और अपिव श्रेणियों (भूतपूर्व सैनिकों सहित) के उम्मीदवारों के लिए 600/- रुपये (अप्रतिदेय).

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए सूचना शुल्क 200 रुपये (अप्रतिदेय). शुल्क में जीएसटी शामिल है.

आवेदकों को पैरा-5ख में बताई गई विधि के अनुसार ऑनलाइन आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा. उपरोक्त आवेदन शुल्क के भुगतान के लिए बैंक द्वारा लगाए गए किसी भी लेनदेन शुल्क का भुगतान आवेदकों द्वारा किया जाना है. किसी अन्य तरीके से भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा और आवेदक भी पात्र नहीं होगा. कम शुल्क का भुगतान करने वाले आवेदक भी पात्र नहीं होंगे. एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा.

4. चयन प्रक्रिया: पदों के लिए चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा (75% अधिमान) और साक्षात्कार (25% अधिमान) शामिल होंगे. उम्मीदवारों को संबंधित श्रेणी में 1:4 के अनुपात में मेरिट के क्रम में अल्प-सूचीबद्ध किया जाएगा.

I. वस्तुनिष्ठ प्रकृति की ऑनलाइन परीक्षा के निम्नलिखित घटक होंगे:-

	परीक्षा का नाम	प्रश्नों की सं	अधिकतम अंक	माध्यम	समय
1.	व्यावसायिक ज्ञान	60	90	अंग्रेजी भाषा खण्ड को को छोड़कर हिन्दी और अंग्रेजी भाषा	कुल समय 120 मिनट
2.	सामान्य जागरूकता	15	15		
3.	अंग्रेजी भाषा	15	15		
4.	लॉजिकल रीजनिंग	15	15		
5.	मात्रात्मक योग्यता	15	15		
	कुल	**120**	150		

ii. परीक्षा की सही तिथि, सत्र रिपोर्टिंग समय का उल्लेखित बुलावा पत्र में उल्लिखित होगा. परीक्षा संबंधित बुलावा पत्र में उल्लिखित परीक्षा केंद्र पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी. सभी प्रश्नों में बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे. किसी प्रश्न के पांच उत्तरों में से केवल एक ही सही उत्तर होगा. क्लिक किए गए विकल्प को उस प्रश्न का उत्तर माना जाएगा. गलत उत्तर चिह्नित करने पर दंड लगाया जाएगा. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए, उस प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों में से 1/4 अंक दंड के रूप में काट लिए जाएंगे. आवेदकों से अनुरोध है कि वे परीक्षा तिथि/अन्य जानकारी में किसी भी बदलाव के लिए कंपनी की वेबसाइट **www.spmcil.com** देखते रहें.

iii. ऑनलाइन परीक्षा दिल्ली/नोएडा/गुरुग्राम/फरीदाबाद/हैदराबाद/कोलकाता/मुंबई/भोपाल में विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाएगी.

1. परीक्षा के केंद्र/स्थान/तिथि/सत्र में बदलाव के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.
2. यद्यपि, एसपीएमसीआईएल अपने विवेकानुसार, प्रत्युत्तर, प्रशासनिक व्यवहार्यता आदि के आधार पर, किसी भी परीक्षा केंद्र को रद्द करने और/या कुछ अन्य केंद्रों को जोड़ने का अधिकार सुरक्षित रखता है.
3. एसपीएमसीआईएल अभ्यर्थी को उसके द्वारा चुने गए केंद्र के अलावा किसी अन्य केंद्र पर भी नियुक्ति देने का अधिकार रखता है.
4. उम्मीदवार को परीक्षा केन्द्र पर अपने स्वयं के जोखिम और खर्च पर परीक्षा देनी होगी तथा एसपीएमसीआईएल किसी भी प्रकार की चोट या हानि आदि के लिए उत्तरदायी नहीं होगा.

5. आवेदन कैसे करें -

विस्तृत दिशानिर्देश/प्रक्रियाएं :

क. आवेदन पंजीकरण

ख. शुल्क का भुगतान

ख. फोटोग्राफ और हस्ताक्षर स्कैन और अपलोड करें

अभ्यर्थी 25.10.2024 से 24.11.2024 तक केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा आवेदन का कोई अन्य तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा.

पंजीकरण से पहले ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

ऑनलाइन आवेदन करने से पहले, उम्मीदवारों को चाहिए-

i. अपने फोटोग्राफ और हस्ताक्षर स्कैन करें तथा सुनिश्चित करें कि फोटोग्राफ और हस्ताक्षर दोनों ही फोटोग्राफ और हस्ताक्षर स्कैन और अपलोड करने के लिए दिशानिर्देश के तहत दिए गए आवश्यक विनिर्देशों का पालन करते हैं.

ii. एक वैध व्यक्तिगत ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर होना चाहिए, जिसे इस भर्ती प्रक्रिया के पूरा होने तक सक्रिय रखा जाना चाहिए. एसपीएमसीआईएल पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से परीक्षा आदि के लिए बुलावा पत्र डाउनलोड करने की सूचना भेज सकता है. यदि किसी उम्मीदवार के पास वैध व्यक्तिगत ईमेल आईडी नहीं है, तो उसे ऑनलाइन आवेदन करने से पहले अपना नया ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर सृजित करना चाहिए और उस ईमेल खाते और मोबाइल नंबर को बनाए रखना चाहिए.

iii. **ऑनलाइन शुल्क का भुगतान : 25.10.2024 से 24.11.2024 (अपराह्न 5: 30 बजे तक)**
सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी श्रेणियों (भूतपूर्व सैनिकों सहित) के उम्मीदवारों के लिए 600/- रुपये (अप्रतिदेय) सूचना शुल्क - रु. 200/- (अप्रतिदेय) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए). आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क के ऑनलाइन भुगतान के लिए बैंक लेनदेन शुल्क उम्मीदवार को वहन करना होगा.

क. आवेदन प्रक्रिया.

1. अभ्यर्थियों को **एसपीएमसीआईएल** की वेबसाइट **www.spmcil.com** पर जाना होगा, कॅरिअर लिंक पर क्लिक करें और **विज्ञापन 06/2024** के तहत '**ऑनलाइन आवेदन करें**' विकल्प पर क्लिक करें, जिससे एक नई स्क्रीन खुल जाएगी.
2. आवेदन पंजीकृत करने के लिए, '**नए पंजीकरण के लिए यहां क्लिक करें**' टैब चुनें और नाम, संपर्क विवरण और ईमेल-आईडी दर्ज करें. सिस्टम द्वारा एक प्रोविजनल पंजीकरण संख्या और पासवर्ड तैयार किया जाएगा और स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा. उम्मीदवार को प्रोविजनल पंजीकरण संख्या और पासवर्ड को नोट कर लेना चाहिए. प्रोविजनल पंजीकरण संख्या और पासवर्ड को दर्शाने वाला एक ईमेल और एसएमएस भी भेजा जाएगा.
3. यदि उम्मीदवार एक बार में आवेदन पत्र पूरा करने में असमर्थ है, तो वह '**सेव एंड नेक्स्ट**' टैब चुनकर पहले से दर्ज किए गए डेटा को सहेज सकता है. ऑनलाइन आवेदन जमा करने से पहले, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन पत्र में विवरणों को सत्यापित करने के लिए '**सेव एंड नेक्स्ट**' सुविधा का उपयोग करें और यदि आवश्यक हो तो उसमें संशोधन करें. दृष्टिबाधित उम्मीदवारों को आवेदन पत्र को ध्यान से भरना चाहिए और अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए विवरणों को सत्यापित करना चाहिए/सत्यापित करवाना चाहिए कि वे सही हैं.
4. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन पत्र में विवरण को स्वयं सावधानीपूर्वक भरें और सत्यापित करें क्योंकि अंतिम सबमिट बटन पर क्लिक करने के बाद कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा.
5. आवेदन में उम्मीदवार या उसके पिता/पति आदि का नाम सही-सही लिखा होना चाहिए, जैसा कि प्रमाण-पत्र/अंक शीट/पहचान के प्रमाण में लिखा है. कोई भी बदलाव/परिवर्तन उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करा सकता है.
6. अपने विवरण को सत्यापित करें और **''अपने विवरण को सत्यापित करें''** और **''सहेजें और अगले''** बटन पर क्लिक करके अपना आवेदन सुरक्षित करें.
7. अभ्यर्थी बिन्दु 'ग' के अंतर्गत फोटोग्राफ और हस्ताक्षर की स्कैनिंग और अपलोड करने के लिए दिशानिर्देशों में दिए गए विनिर्देशों के अनुसार फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं.
8. अभ्यर्थी आवेदन पत्र में अन्य विवरण भरने के लिए आगे बढ़ सकते हैं.
9. अंतिम सबमिट करने से पहले संपूर्ण आवेदन पत्र का पूर्वावलोकन और सत्यापन करने के लिए पूर्वावलोकन टैब पर क्लिक करें.
10. यदि आवश्यक हो तो विवरण संशोधित करें और यह सत्यापित करने और सुनिश्चित करने के बाद ही **''अंतिम सबमिट''** पर क्लिक करें कि आपके द्वारा अपलोड की गई तस्वीर, हस्ताक्षर और अन्य विवरण सही हैं.
11. **''भुगतान''** टैब पर क्लिक करें और भुगतान के लिए आगे बढ़ें.
12. **''सबमिट''** बटन पर क्लिक करें.

B. **ख. शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड**

1. आवेदन पत्र भुगतान गेटवे के साथ एकीकृत है और निर्देशों का पालन करके भुगतान प्रक्रिया पूरी की जा सकती है.
2. भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करके किया जा सकता है.
3. ऑनलाइन आवेदन फॉर्म में अपनी भुगतान जानकारी प्रस्तुत करने के बाद, कृपया सर्वर से सूचना मिलने तक प्रतीक्षा करें. डबल चार्ज से बचने के लिए बैक या रिफ्रेश बटन न दबाएं.
4. लेनदेन के सफलतापूर्वक पूरा होने पर, एक ई-रसीद तैयार होगी.
5. ''ई-रसीद'' सृजित न होना भुगतान की विफलता दर्शाता है. भुगतान विफल होने पर, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड का उपयोग करके फिर से लॉगिन करें और भुगतान की प्रक्रिया को दोहराएं.
6. उम्मीदवारों को ई-रसीद और ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लेना आवश्यक है, जिसमें शुल्क का विवरण शामिल हो. कृपया ध्यान दें कि यदि इसे जनरेट नहीं किया जा सकता है, तो हो सकता है कि ऑनलाइन लेनदेन सफल न हुआ हो.
7. **क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं के लिए :** सभी शुल्क भारतीय रुपये में सूचीबद्ध हैं. यदि आप गैर-भारतीय क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं, तो आपका बैंक प्रचलित विनिमय दरों के आधार पर आपकी स्थानीय मुद्रा में परिवर्तित हो जाएगा.
8. अपने डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कृपया अपना लेनदेन पूरा होने के बाद ब्राउज़र विंडो बंद कर दें.
9. शुल्क भुगतान के बाद शुल्क विवरण सहित आवेदन पत्र को प्रिंट करने की सुविधा उपलब्ध है.
10. **फीस भुगतान का कोई अन्य तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा.**

ग. **फोटोग्राफ (4.5 सेमी X 3.5 सेमी) और हस्ताक्षर की स्कैनिंग और अपलोड के लिए दिशानिर्देश-**
ऑनलाइन आवेदन करने से पहले अभ्यर्थी को पोर्टल में दिए गए विनिर्देशों के अनुसार अपने फोटोग्राफ और हस्ताक्षर की स्कैन की हुई (डिजिटल) छवि की आवश्यकता होगी.
उम्मीदवार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि फोटो की जगह पर फोटो और हस्ताक्षर की जगह पर हस्ताक्षर अपलोड किए गए हैं. अगर फोटो की जगह पर फोटो और हस्ताक्षर की जगह पर हस्ताक्षर ठीक से अपलोड नहीं किए गए हैं, तो उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यदि फोटो की जगह पर फोटो अपलोड नहीं किया गया है तो परीक्षा में प्रवेश अस्वीकृत/अस्वीकार कर दिया जाएगा. इसके लिए उम्मीदवार खुद जिम्मेदार होंगे. उम्मीदवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपलोड की जाने वाली फोटो अपेक्षित आकार की हो और चेहरा स्पष्ट रूप से दिखाई दे. उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपलोड किए गए हस्ताक्षर स्पष्ट रूप से दिखाई दें.

6. **कॉल लेटर डाउनलोड करना-**
जिन आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीकरण किया है, उन्हें ऑनलाइन आवेदन में दी गई जानकारी के आधार पर ऑनलाइन परीक्षा के लिए ऑनलाइन बुलावा पत्र डाउनलोड करने की अनुमति दी जाएगी. **डाक से अलग से कोई बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे.** ऑनलाइन बुलावा पत्र जारी करते समय कोई विस्तृत जांच नहीं की जाएगी. बुलावा पत्र कंपनी की वेबसाइट **www.spmcil.com** से डाउनलोड किए जा सकते हैं. एक बार आवेदक संबंधित लिंक पर क्लिक करने के बाद वह बुलावा पत्र डाउनलोड करने के लिए विंडो तक पहुंच सकता है. आवेदक को बुलावा पत्र डाउनलोड करने के लिए (I) पंजीकरण संख्या /रोल नंबर, (II) पासवर्ड /जन्म तिथि का उपयोग करना आवश्यक है. आवेदकों को बुलावा पत्र पर हाल ही में ली गई पहचान योग्य तस्वीर चिपकाना आवश्यक है, अधिमानतः पंजीकरण के दौरान दी गई तस्वीर. आवेदकों को परीक्षा केंद्र पर (i) मूल बुलावा पत्र और (ii) मूल फोटो पहचान प्रमाण के साथ उपस्थित होना है बुलावा पत्र डाउनलोड करने की सूचना भी ईमेल/एसएमएस के माध्यम से उनके द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र में दिए गए ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी. हालांकि, आवेदकों को नवीनतम अद्यतन के लिए वेबसाइट देखते रहना चाहिए.

(क्रमशः)

7. देर से रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवारों अर्थात परीक्षा के लिए बुलावा पत्र में निर्दिष्ट रिपोर्टिंग समय के बाद पहुंचने वालों को परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कॉल लेटर पर उल्लिखित रिपोर्टिंग समय परीक्षा के शुरू होने के समय से पहले है. हालांकि परीक्षा की अवधि 90 मिनट है, उम्मीदवारों को विभिन्न औपचारिकताओं जैसे कि विभिन्न आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन और संग्रह, लॉग इन, निर्देश देने के लिए अपेक्षित समय सहित लगभग 3 घंटे के लिए परीक्षा स्थल पर रहना पड़ सकता है.

8. **पहचान सत्यापन–**

परीक्षा हॉल में और साक्षात्कार के समय, बुलावा पत्र के साथ अभ्यर्थी के वर्तमान में मान्य फोटो पहचान पत्र (जिस पर बुलावा पत्र में दिए गए नाम के समान नाम हो) की मूल प्रति और एक फोटोकॉपी जैसे कि पैन कार्ड/पासपोर्ट/स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस/मतदाता पहचान पत्र /फोटोयुक्त बैंक पासबुक/राजपत्रित अधिकारी द्वारा आधिकारिक लेटरहेड पर जारी फोटो पहचान प्रमाण/जन प्रतिनिधि द्वारा आधिकारिक लेटरहेड पर फोटो के साथ जारी फोटो पहचान प्रमाण/मान्यताप्राप्त कॉलेज/विश्वविद्यालय द्वारा जारी वैध हाल का पहचान पत्र/आधार कार्ड/फोटोयुक्त ई-आधार कार्ड/कर्मचारी आईडी/फोटोयुक्त बार काउंसिल पहचान पत्र सत्यापन के लिए निरीक्षक को प्रस्तुत किया जाना चाहिए. अभ्यर्थी की पहचान बुलावा पत्र में उसके विवरण, उपस्थिति सूची और प्रस्तुत किए गए अपेक्षित दस्तावेजों के संबंध में सत्यापित की जाएगी. यदि उम्मीदवार की पहचान संदिग्ध है तो उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती है. राशन कार्ड और लर्नर्स ड्राइविंग लाइसेंस इस परियोजना के लिए वैध पहचान प्रमाण नहीं है.

टिप्पणी :

(i) उम्मीदवारों के पास **वैध व्यक्तिगत ईमेल आईडी और मोबाइल** नंबर होना चाहिए, जिसे इस भर्ती प्रक्रिया के पूरा होने तक सक्रिय रखा जाना चाहिए. कंपनी पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से परीक्षा आदि के लिए कॉल लेटर डाउनलोड करने की सूचना भेज सकती है. यदि किसी आवेदक के पास वैध व्यक्तिगत ईमेल आईडी नहीं है, तो उसे ऑनलाइन आवेदन करने से पहले अपना नया ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर सृजित कर लेना चाहिए और उस ईमेल खाते और मोबाइल नंबर को बनाए रखना चाहिए. किसी भी परिस्थिति में, उसे किसी अन्य व्यक्ति के साथ ईमेल आईडी साझा या उल्लेख नहीं करना चाहिए.

(ii) अभ्यर्थियों को परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने के दौरान फोटो पहचान पत्र को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा और फोटो पहचान पत्र की फोटोकॉपी परीक्षा बुलावा पत्र के साथ-साथ साक्षात्कार बुलावा पत्र के साथ जमा करनी होगी, जिसके बिना उन्हें परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. अभ्यर्थियों को ध्यान देना चाहिए कि बुलावा पत्र (पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान प्रदान किया गया) में दिया गया नाम फोटो पहचान पत्र में दिए गए नाम से बिल्कुल मेल खाना चाहिए. जिन महिला अभ्यर्थियों ने विवाह के बाद अपना पहला/अंतिम/मध्य नाम बदल लिया है, उन्हें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए. यदि बुलावा पत्र और फोटो पहचान पत्र में दिए गए नाम में कोई मेल नहीं तो अभ्यर्थी को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. जिन अभ्यर्थियों ने अपना नाम बदल लिया है, उन्हें केवल तभी अनुमति दी जाएगी जब वे मूल राजपत्र अधिसूचना/अपना मूल विवाह प्रमाणपत्र/शपथ पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करेंगे.

9. **कदाचार/अनुचित साधनों के प्रयोग का दोषी पाए जाने वाले उम्मीदवारों के विरुद्ध कार्रवाई–**

- अभ्यर्थियों को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करते समय कोई भी झूठा, छेड़छाड़ किया हुआ या मनगढ़ंत विवरण प्रस्तुत न करें तथा कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी न छिपाएं.
- परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन/संचार उपकरण/कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने पर कदाचार का दोषी माना जाएगा तथा अभ्यर्थी के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी, जिसमें परीक्षा हॉल से तत्काल निष्कासन भी शामिल है.

10. **आवेदक निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें :**

i. आवेदकों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से बहुत पहले ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें और अंतिम तिथि तक प्रतीक्षा न करें, ताकि इंटरनेट वेबसाइट जाम होने पर भारी लोड के कारण कंपनी की वेबसाइट पर लॉग ऑन करने में डिस्कनेक्शन/अक्षमता/विफलता की संभावना से बचा जा सके. एसपीएमसीआईएल उपरोक्त कारणों या एसपीएमसीआईएल के नियंत्रण से परे किसी अन्य कारण से अंतिम तिथि के भीतर अपने आवेदन ऑनलाइन जमा नहीं कर पाने वाले आवेदकों के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है.

ii. आवेदक अपने आवेदन में प्रस्तुत की गई किसी भी जानकारी के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा और यदि उसके द्वारा दी गई जानकारी/तथ्य बाद में झूठे पाए जाते हैं तो वह अभियोजन/सिविल कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा.

iii. पात्रता मानदंड में आरक्षण का दावा करने वाले एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी आवेदकों को भारत सरकार के तहत इन श्रेणियों के लिए सिविल पदों और सेवाओं में आरक्षण का लाभ लेने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा भारत सरकार के प्रारूप के अनुसार जारी जाति/जनजाति/दिव्यांगता प्रमाण पत्र की एक फोटोकॉपी सत्यापन के समय या इसके बारे में सूचित किए जाने के बाद किसी भी तारीख को सत्यापन हेतु अपने पास रखनी चाहिए.

iv. बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को सत्यापन के समय या इसके बारे में सूचित किए जाने के बाद किसी भी तारीख को, ऐसे प्रमाण पत्र जारी करने हेतु अधिकृत प्राधिकारियों से जारी अपनी दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की एक प्रति प्रस्तुत करनी होगी.

v. अपिव से संबंधित आवेदकों को प्रमाण पत्र सत्यापन के समय या इस बारे में सूचित किए जाने के बाद किसी भी तारीख को भारत सरकार के तहत सेवाओं का दावा करने के लिए निर्धारित प्रारूप में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र की एक फोटोकॉपी प्रस्तुत करनी चाहिए. प्रमाण पत्र में, अन्य बातों के साथ-साथ, यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि आवेदक सामाजिक रूप से उन्नत वर्गों/ क्रीमी लेयर से संबंधित नहीं है. प्रमाण पत्र सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त किया जाना चाहिए. **'क्रीमी लेयर'** के अंतर्गत आने वाले अपिव आवेदकों को **''सामान्य''** श्रेणी के आवेदक के रूप में माना जाएगा और इसलिए उन्हें ऑनलाइन आवेदन में अपनी श्रेणी को **''सामान्य''** के रूप में चुनना चाहिए. यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि केवल केंद्रीय सूची (भारत सरकार) में शामिल जातियों /उपजातियों पर ही विचार किया जाएगा. संबंधित राज्य सूची में शामिल अपिव जाति / उपजाति, परंतु जो केंद्रीय सूची में नहीं है, अपिव श्रेणी के तहत नहीं मानी जाएगी. साक्षात्कार के समय, अपिव श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में नवीनतम अपिव प्रमाण पत्र (गैर संपन्न वर्ग) प्रस्तुत करना होगा, जो 6 महीने से अधिक पुराना न हो, तथा जिसे भारत सरकार के अधीन तथा केंद्रीय सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के लिए भी पद पर नियुक्ति के लिए सक्षम प्राधिकारी ने जारी किया हो, प्रस्तुत करना होगा.

vi. ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लाभ उठाने के लिए प्रमाण पत्र की शर्तों और प्रारूप का पालन डीओपीटी के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36039/1/2019-ईएसटीटी (आरईएस) दिनांक 31.01.2019 के अनुसार किया जाएगा. ईडब्ल्यूएस की रिक्तियां अनंतिम हैं और भारत सरकार के आगे के निर्देशों और किसी मुकदमे के परिणाम के अधीन हैं. नियुक्ति अनंतिम है और उचित चैनलों के माध्यम से आय और संपत्ति प्रमाण पत्र के सत्यापन के अधीन है. ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में वित्त वर्ष 2022-23 की सकल वार्षिक आय के आधार पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वैध **''आय और संपत्ति प्रमाण पत्र''** प्रस्तुत करने पर लिया जा सकता है. उम्मीदवार कृपया ध्यान दें कि उनके पास साक्षात्कार के समय 01.04.2023 को या उसके बाद जारी किया गया ऊपर उल्लिखित **'आय और संपत्ति प्रमाण पत्र'** होना चाहिए. ऐसे उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय (यदि साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है) **'आय और संपत्ति प्रमाण पत्र'** प्रस्तुत करना होगा. उक्त तिथि से आगे **'आय और संपत्ति प्रमाण पत्र'** प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा. यदि उम्मीदवार साक्षात्कार के समय इसे प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं, तो उन्हें साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. इसके अलावा, सामान्य श्रेणी के तहत साक्षात्कार के लिए उनके अनुरोध पर भी विचार नहीं किया जाएगा.

vii. **ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए दिशानिर्देश–**

- भारत सरकार, डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या **36039/1/2019–स्था. (आरक्षण) दिनांक 31 जनवरी, 2019** के अनुसार जारी निर्देशों के अनुरूप ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत रिक्तियां आरक्षित हैं.
- ऐसे व्यक्ति जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की मौजूदा योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं और जिनके परिवार की सकल वार्षिक आय 8.00 लाख रुपये से कम है, उन्हें आरक्षण के लाभ के लिए ईडब्ल्यूएस के रूप में पहचाना जाएगा. इस उद्देश्य के लिए परिवार में वह व्यक्ति जो आरक्षण का लाभ लेना चाहता है, उसके माता-पिता और 18 वर्ष से कम आयु के भाई-बहन और साथ ही उसका जीवनसाथी और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे शामिल होंगे. आय में सभी स्रोतों से प्राप्त आय यानी वेतन, कृषि, व्यवसाय, पेशे आदि से आय शामिल होगी और यह आवेदन के वर्ष से पहले के वित्तीय वर्ष की आय होगी. साथ ही ऐसे व्यक्ति जिनके परिवार के पास निम्नलिखित में से कोई भी संपत्ति है, उन्हें परिवार की आय पर ध्यान दिए बिना ईडब्ल्यूएस के रूप में पहचान से बाहर रखा जाएगा:-
  - 5 एकड़ कृषि भूमि और उससे अधिक;
  - 1000 वर्ग फीट और उससे अधिक का आवासीय फ्लैट;
  - अधिसूचित नगर पालिकाओं में 100 वर्ग गज और उससे अधिक का आवासीय भूखंड;
  - अधिसूचित नगर पालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज और उससे अधिक का आवासीय भूखंड.
  - पैरा 2 में उल्लिखित परिवारों की आय और संपत्ति को राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में कम से कम तहसीलदार के पद के समकक्ष अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाना अपेक्षित होगा. दस्तावेज़ सत्यापन के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया के लिए उपस्थित होने के समय भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट अपेक्षित प्रमाण पत्र लाना आवश्यक होगा.
  - ईडब्ल्यूएस का आरक्षण भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार शासित होगा.

viii. **सरकारी/अर्द्ध-सरकारी संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों और स्वायत्त निकायों में पहले से सेवारत आवेदकों को साक्षात्कार के समय अपने नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा.**

ix. किसी संगठन की सेवा से बर्खास्त किये गये व्यक्तियों को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है.

x. इस भर्ती से संबंधित सभी मामलों में एसपीएमसीआईएल का निर्णय अंतिम होगा और आवेदकों पर बाध्यकारी होगा. इस संबंध में एसपीएमसीआईएल द्वारा कोई पत्राचार या व्यक्तिगत पूछताछ स्वीकार नहीं की जाएगी.

xi. चयनित अभ्यर्थियों को एसपीएमसीआईएल की किसी भी इकाई/कॉर्पोरेट कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है.

xii. यदि इस विज्ञापन के अंग्रेजी संस्करण के अलावा किसी अन्य संस्करण में खंडों की व्याख्या के कारण कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा. इस विज्ञापन से उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद का निपटारा दिल्ली में स्थित न्यायालयों के पूर्ण अधिकार क्षेत्र के अधीन होगा.

xiii. किसी भी रूप में प्रचार करना अयोग्यता माना जाएगा.

xiv. उपरोक्त पदों के लिए आवेदन करने की पात्रता के संबंध में आवेदकों से कोई पत्राचार स्वीकार नहीं किया जाएगा.

xv. ऑनलाइन आवेदन करने में किसी भी कठिनाई के मामले में कृपया **'ऑनलाइन आवेदन करने के लिए यहां क्लिक करें'** लिंक के अंतर्गत **'आवेदन कैसे करें'** और **'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न'** अनुभाग देखें.

xvi. इस विज्ञापन में कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल कंपनी की वेबसाइट **www.spmcil.com** पर प्रदर्शित किया जाएगा. इसलिए आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी अद्यतन के लिए कंपनी की वेबसाइट देखते रहें.

xvii. कंपनी किसी भी आधार पर विज्ञापन को पूर्णतः या आंशिक रूप से रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखती है और कंपनी का ऐसा निर्णय केवल कंपनी की वेबसाइट **www.spmcil.com** पर प्रदर्शित किया जाएगा. आवेदकों को व्यक्तिगत रूप से इसकी सूचना नहीं दी जाएगी.

xviii. चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में उम्मीदवार द्वारा गलत जानकारी देने और/या प्रक्रिया का उल्लंघन करने के मामले सामने आने पर उम्मीदवार को चयन प्रक्रिया से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसे भविष्य में किसी भी एसपीएमसीआईएल भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यदि वर्तमान चयन प्रक्रिया के दौरान ऐसे मामलों का पता नहीं चलता है, परंतु बाद में इनका पता चलता है, तो ऐसी अयोग्यता पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी.

xix. **बांड का निष्पादन :** ई-1 और ई-2 स्तर पर नए भर्ती हुए कर्मचारियों को न्यूनतम तीन वर्ष की अवधि के लिए कंपनी में सेवा करने के संबंध में तीन लाख रुपये का बांड निष्पादित करना होगा.

11. **दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा स्क्राइब का उपयोग करने के लिए दिशानिर्देश–**

दृष्टिबाधित उम्मीदवार और ऐसे उम्मीदवार जिनकी लेखन गति किसी भी कारण से स्थायी रूप से प्रभावित हो गई है, वे ऑनलाइन परीक्षा के दौरान अपने खर्च पर स्वयं के लेखक का उपयोग कर सकते हैं, जो नीचे (i) और (ii) में बताई गई शर्तों के अधीन है. ऐसे सभी मामलों में जहां लेखक का उपयोग किया जाता है, निम्नलिखित नियम लागू होंगे :-

- अभ्यर्थी को अपने खर्च पर स्वयं लेखक की व्यवस्था करनी होगी.
- उम्मीदवार द्वारा व्यवस्थित लेखक उसी परीक्षा का उम्मीदवार नहीं होना चाहिए. यदि प्रक्रिया के किसी भी चरण में उपरोक्त उल्लंघन पाया जाता है, तो उम्मीदवार और लेखक दोनों की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. जो उम्मीदवार परीक्षा में लेखक की सेवाओं का उपयोग करने के लिए पात्र हैं और चाहते हैं, उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र में हमेशा सावधानीपूर्वक इसका उल्लेख करना चाहिए. बाद के किसी भी अनुरोध पर अनुकूल रूप से विचार नहीं किया जा सकता है.
- अभ्यर्थी के लिए लेखक के रूप में कार्य करने वाला व्यक्ति किसी अन्य अभ्यर्थी के लिए लेखक नहीं हो सकता.
- लेखक किसी भी शैक्षणिक स्ट्रीम से हो सकता है. हालांकि, विशेषज्ञ अधिकारियों के पदों के लिए लेखक को उस पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक स्ट्रीम से अलग किसी अन्य शैक्षणिक स्ट्रीम से होना चाहिए.
- उम्मीदवार और लेखक दोनों को यह पुष्टि करते हुए एक उपयुक्त वचन पत्र देना होगा कि लेखक ऊपर बताए गए लेखक के लिए निर्धारित सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है. इसके अलावा, यदि बाद में यह पता चलता है कि उसने कोई निर्धारित पात्रता मानदंड पूरा नहीं किया है या कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है, तो आवेदक की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी, भले ही ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम कुछ भी हो.
- जो अभ्यर्थी लेखक का उपयोग करेंगे, उन्हें परीक्षा के प्रत्येक घंटे के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय या अन्यथा परामर्श के अनुसार समय मिलेगा.
- केवल प्रतिपूरक समय के लिए पंजीकृत उम्मीदवारों को ही ऐसी रियायतें दी जाएंगी क्योंकि उम्मीदवारों को दिया जाने वाला प्रतिपूरक समय सिस्टम आधारित होगा, यदि उम्मीदवार इसके लिए पंजीकृत नहीं है, तो परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के लिए ऐसा समय देना संभव नहीं होगा. प्रतिपूरक समय के लिए पंजीकृत नहीं होने वाले उम्मीदवारों को ऐसी रियायतें नहीं दी जाएंगी.

(i) **गतिविषयक दिव्यांगता और प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से ग्रस्त उम्मीदवारों के लिए दिशानिर्देश–**

गतिविषयक दिव्यांगता और प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से ग्रस्त अभ्यर्थियों के लिए प्रति घंटे बीस मिनट या अन्यथा सलाह अनुसार प्रतिपूरक समय के लिए दिया जाएगा, जहां प्रमुख (लेखन) कार्य निष्पादन धीमा करने की सीमा (न्यूनतम 40 प्रतिशत हानि) तक प्रभावित होता है.

(ii) दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए दिशानिर्देश–

दृष्टिबाधित अभ्यर्थी (जो 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता से ग्रस्त न हों) परीक्षण की विषय-वस्तु को बड़े अक्षरों में देखने का विकल्प चुन सकते हैं और ऐसे सभी अभ्यर्थी प्रत्येक घंटे के लिए 20 मिनट या परीक्षा के लिए अन्यथा सूचित समय के लिए प्रतिपूरक समय के पात्र होंगे

(शेष पृष्ठ 7 पर)

आयकर अपीलीय अधिकरण
विधि एवं न्याय मंत्रालय

भारत सरकार

तृतीय एवं चतुर्थ तल, प्रतिष्ठा भवन, पुराना केन्द्रीय सरकार कार्यालय भवन
101, महर्षि कर्वे मार्ग, मुंबई -400020
ई-मेल आईडी- admin.ho@itat.nic.in

सं. एफ. 301-विज्ञापन /एटीडी /2024-25 **दिनांक : 22 अक्तूबर, 2024**

रिक्ति परिपत्र

आयकर अपीलीय अधिकरण की विभिन्न पीठों में **वरिष्ठ निजी सचिव /निजी सचिव** (दोनों समूह 'बी' राजपत्रित) के संवर्गों में वर्तमान एवं प्रत्याशित रिक्तियों को भरने के लिए भारतीय नागरिकों (भारत के संविधान में अथवा नागरिकता के अधिकारों को विनियमित करने के लिए संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के अंतर्गत परिभाषित भारत के नागरिक) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

2. पदों का विवरण

2.1 रिक्तियों की संख्या

वरिष्ठ निजी सचिव- 15 (अनुसूचित जाति -02, अनुसूचित जनजाति - 00, अन्य पिछड़ा वर्ग-01, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग-03, सामान्य- 09)
(क्षैतिज रिक्ति- दिव्यांग : 01)

निजी सचिव- 20 (अनुसूचित जाति -02, अनुसूचित जनजाति - 01, अन्य पिछड़ा वर्ग-09, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग-00, सामान्य- 08)
(क्षैतिज रिक्ति- दिव्यांग : 01)

उपरोक्त रिक्तियों **की संख्या तथा** भारत सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार उनका परिणामी विभाजन अस्थायी है तथा बाद में इनमें **परिवर्तन हो सकता है.**

2.2 वेतनमान

वरिष्ठ निजी सचिव - रु. 47,600/- से रु. 1,51,100/-, वेतन मैट्रिक्स का वेतन स्तर-08

निजी सचिव - रु. 44,900/- से रु. 1,42,400/- वेतन मैट्रिक्स का वेतन स्तर-07

3. पात्रता एवं अन्य शर्तें :

वरिष्ठ निजी सचिव और निजी सचिव के पदों के लिए शैक्षणिक एवं अन्य योग्यताएं निम्नानुसार हैं :-

i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समकक्ष.
ii) अंग्रेजी शॉर्टहैंड में 120 शब्द प्रति मिनट की गति.
iii) कम्प्यूटर का कार्यसाधक ज्ञान, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, एक्सेल तथा पेजमेकर जैसे सॉफ्टवेयर पर कार्य करने का ज्ञान.

4. आयु सीमा :

4.1 सभी उम्मीदवारों के लिए पदों हेतु आवेदन करने की **आयु सीमा 35 वर्ष से अधिक नहीं होगी.**

4.2 आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तिथि "रोज़गार समाचार" में विज्ञापन के प्रकाशन से 45वां दिन होगी.

4.3 ध्यान दें कि असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले और चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए भी आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तिथि, उपरोक्त पैरा 4.2 में आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तिथि के समान ही होगी.

4.4 केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों एवं आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों और अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए मानक छूट लागू होगी.

5. परीक्षण /परीक्षा योजना :

5.1 भर्ती लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षण और उसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से की जाएगी.

5.2 लिखित परीक्षा और कौशल परीक्षण निम्नलिखित 08 स्टेशनों पर आयोजित किए जाएंगे:-
(i) दिल्ली
(ii) मुंबई
(iii) कोलकाता
(iv) चैन्नई
(v) बंगलोर
(vi) गुवाहाटी
(vii) लखनऊ
(viii) अहमदाबाद

5.3 अभ्यर्थियों को अपनी पसंद के क्रमानुसार **दो केन्द्रों** का चयन करना होगा. किसी केन्द्र विशेष के लिए पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होने की स्थिति में आयकर अपीलीय अधिकरण को ऐसे केन्द्र को रद्द करने का विशेषाधिकार होगा और अभ्यर्थी को उसके द्वारा चुने गए दूसरे केन्द्र पर उपस्थित होना होगा.

5.4 लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षण और व्यक्तिगत साक्षात्कार की योजना निम्नानुसार होगी :-

लिखित परीक्षा			
क्रमांक	परीक्षा	अंक	पाठ्यक्रम
1.	पेपर-1 : सामान्य अंग्रेजी	100	न्यूनतम 250 शब्दों का निबंध, पत्र लेखन, संक्षेपण और व्याकरण.
2.	पेपर-2 : सामान्य ज्ञान और तर्क	100	सामान्य ज्ञान /सामान्य अध्ययन, तार्किकता, समसामयिकी
कौशल परीक्षण			
1.	कौशल परीक्षण	100	अंग्रेजी शॉर्टहैंड @120 शब्द प्रति मिनट अंग्रेजी टाईपिंग @45 शब्द प्रति मिनट
व्यक्तिगत साक्षात्कार			
1.	व्यक्तिगत साक्षात्कार	50	

5.5 लिखित परीक्षा (सामान्य अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान और तर्क के पेपर) और कौशल परीक्षण केवल अंग्रेजी माध्यम में होंगे.

5.6 अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक (सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए 50 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए 45 प्रतिशत और अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति /दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए 40 प्रतिशत) प्राप्त करने होंगे.

5.7 केवल लिखित परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के कौशल परीक्षण का मूल्यांकन किया जाएगा.

5.8 केवल कौशल परीक्षण के बाद तैयार संक्षिप्त सूची में स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को ही व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. साक्षात्कार की तिथि और स्थान बाद में अधिसूचित किया जाएगा.

5.9 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षण और व्यक्तिगत साक्षात्कार हेतु उपस्थित होने के लिए किसी भी यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते के पात्र नहीं होंगे तथापि अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित ऐसे अभ्यर्थियों, जो कि पहले से ही केन्द्र /राज्य सरकार, केन्द्र /राज्य सरकार निगम, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय सरकारी संस्थान या पंचायत इत्यादि में सेवारत नहीं हैं, को भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार टिकट दिखाने पर सबसे छोटे मार्ग से द्वितीय श्रेणी साधारण या स्लीपर क्लास के रेलवे किराये या बस किराये की प्रतिपूर्ति की जाएगी.

5.10 लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षण, व्यक्तिगत साक्षात्कार और अंतिम परिणाम के बारे में अभ्यर्थियों से किसी भी भौतिक पत्राचार /ई-संचार /पूछताछ इस कार्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किए जाएंगे. संक्षिप्त सूची में स्थान पाने वाले सफल अभ्यर्थियों को स्पीड पोस्ट और ई-मेल द्वारा सूचित किया जाएगा. लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षण, व्यक्तिगत साक्षात्कार और अंतिम परिणाम के संबंध में सामान्य अधिसूचनाएं आयकर अपीलीय अधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएंगी. इसलिए आवेदकों को परामर्श दिया जाता है कि वे नियमित रूप से अपनी ई-मेल और ITAT की आधिकारिक वेबसाइट **https://www.itat.gov.in** देखें.

6. सामान्य निर्देश :

6.1 आवेदन पत्र तथा उसके लिफाफे पर स्पष्ट रूप से **"वरिष्ठ निजी सचिव /निजी सचिव /वरिष्ठ निजी सचिव एवं निजी सचिव दोनों पद के लिए आवेदन"** अंकित होना चाहिए.

6.2 जो आवेदक दोनों पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं उन्हें भी एक ही आवेदन जमा करना होगा. दोनों पदों के लिए एक ही परीक्षा आयोजित की जाएगी. इसलिए समेकित योग्यता क्रम सूची में प्राप्त स्थान के आधार पर आवेदकों को वरिष्ठ निजी सचिव अथवा निजी सचिव की नियुक्ति प्रस्तावित की जाएगी.

6.3 निर्धारित प्रपत्र में अंग्रेजी में विधिवत भरे गए आवेदनों के साथ निम्नलिखित प्रपत्रों की स्व-प्रमाणित प्रतियां संलग्न होनी चाहिए :
क) जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र.
ख) स्नातक डिग्री.
ग) मान्यताप्राप्त संस्थान से अंग्रेजी शॉर्टहैण्ड (120 शब्द प्रति मिनट की अपेक्षित गति के स्पष्ट उल्लेख के साथ) का प्रमाण पत्र.
घ) अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र.
ङ) अन्य पिछड़ा वर्ग के संबंध में सरकार द्वारा जारी नवीनतम नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र.
च) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी नवीनतम आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र.
छ) दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जिसमें दिव्यांगता की प्रकृति और प्रतिशत दर्शाया गया हो.
ज) आवेदन पत्र पर आवेदक के हस्ताक्षर सहित हाल ही में खिंचवाया गया पासपोर्ट आकार का फोटो चिपकाना होगा. आवेदन के साथ हाल ही में खिंचवाये गये पासपोर्ट आकार के दो अतिरिक्त फोटो भी संलग्न करने होंगे.

6.4 आवेदन पत्र उप पंजीकार, **आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, प्रतिष्ठा भवन, पुराना केन्द्रीय सरकारी कार्यालय भवन, चतुर्थ तल, 101, महर्षि कर्वे मार्ग, मुंबई-400020 को प्रेषित किए जाने चाहिए.**

6.5 आवेदन पत्र **दिनांक 16 दिसम्बर, 2024** उपरोक्त पते पर पहुंच जाने चाहिए.

6.6 असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले और चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप के आवेदकों **दिनांक 30 दिसम्बर, 2024 तक पहुंच जाए।**

6.7 वर्तमान में केन्द्र सरकार /राज्य सरकार /सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम /स्वायत्त निकायों इत्यादि में कार्यरत आवेदकों को उचित माध्यम से, आवेदन पत्र के साथ दिये गए प्रारूप में सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ, आवेदन प्रस्तुत करना होगा.

7. अयोग्यता

7.1 ऐसे आवेदन पत्र जो कि :-
(i) अपूर्ण,
(ii) आयु, शैक्षणिक और तकनीकी योग्यता के संदर्भ में प्रासंगिक दस्तावेजों की विधिवत स्व-सत्यापित प्रतियों द्वारा समर्थित नहीं,
(iii) हाल ही में खिंचवाये गये पासपोर्ट आकार के दो फोटोग्राफ के बिना,
(iv) जहां भी लागू हो, जाति, नॉन क्रीमी लेयर, दिव्यांगता, आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रासंगिक प्रमाण पत्र के बिना,
(v) निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त,
(vi) जहां भी लागू हो, उचित माध्यम के बिना प्राप्त,
(vii) उन आवेदकों से प्राप्त, जिनके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित है, हों, उन पर विचार नहीं किया जाएगा तथा उन्हें सीधे तौर पर निरस्त कर दिया जाएगा.

7.2 किसी भी प्रकार के कदाचार अथवा सिफारिश में लिप्त पाये जाने वाले अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी सीधे तौर पर निरस्त कर दी जाएगी.

8. **पात्रता के बारे में अंतिम प्राधिकारी-** पात्रता, आवेदन की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति, चयन प्रक्रिया से संबंधित सभी मामलों में आयकर अपीलीय अधिकरण का निर्णय अंतिम होगा और इस संबंध में कोई पूछताछ अथवा पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा.

9. **परिवीक्षा अवधि-** चयनित अभ्यर्थी पदभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे.

10. **नियुक्ति-** यह एक अखिल भारतीय सेवा है और चयनित अभ्यर्थियों को देश भर में आयकर अपीलीय अधिकरण की किसी भी पीठ में नियुक्त किया जा सकता है.

11. अंग्रेजी के अतिरिक्त यह रिक्ति परिपत्र हिन्दी व उर्दू में भी प्रकाशित किया जा रहा है. अंग्रेजी, हिन्दी व उर्दू संस्करणों के बीच कोई भ्रम/टकराव होने की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा.

(पी. के. बीजू)
सहायक पंजीकार

वरिष्ठ निजी सचिव/निजी सचिव/वरिष्ठ निजी सचिव और निजी सचिव दोनों के पद के लिए आवेदन
(जो लागू न हो उसे काट दें)

1.	उम्मीदवार का पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में)	श्री/श्रीमती/सुश्री	**कृपया हस्ताक्षर सहित हाल ही में खींची गई पासपोर्ट आकार की रंगीन फोटो चिपकाएं (पिन न करें)**
2.	पिता/जीवनसाथी का नाम (जो लागू न हो उसे काट दें)		
3.	श्रेणी (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/सामान्य) प्रासंगिक प्रमाण पत्र संलग्न करें.		
4.	क्या आप दिव्यांग (पी.डब्ल्यू.डी) हैं, यदि हों तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र संलग्न करें.		
5.	राष्ट्रीयता		
6.	लिंग	पुरुष | महिला | परलैंगिक (ट्रांसजेंडर)	
7.	धर्म		

(क्रमशः)

(पृष्ठ 5 का शेष)

ये दिशानिर्देश समय-समय पर भारत सरकार के दिशानिर्देशों/स्पष्टीकरणों (यदि कोई हो) के अनुसार परिवर्तन के अधीन हैं.

12. **सामान्या शर्तें :**

1. केवल भारतीय नागरिक ही आवेदन करने के पात्र हैं.
2. अभ्यर्थी विज्ञापित विभिन्न पदों में से केवल एक पद के लिए आवेदन कर सकते हैं, क्योंकि सभी पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा एक ही दिन आयोजित की जा सकती है.
3. रोज़गार की अपेक्षा के अनुरूप होने मात्र से उम्मीदवार को ऑनलाइन परीक्षा और साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने का अधिकार नहीं मिलेगा. प्रबंधन बिना कोई कारण बताए किसी भी आवेदन को अस्वीकार करने और साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या को सीमित/विनियमित **करने के लिए पात्रता मानक** विज्ञापन मानदंड बढ़ाने का अधिकार सुरक्षित रखता है. **भर्ती प्रक्रिया को बिना कोई कारण बताए रद्द/** निलंबित/समाप्त किया जा सकता है. प्रबंधन **का निर्णय अंतिम होगा और किसी भी** अपील पर विचार नहीं किया जाएगा.
4. विज्ञापित रिक्तियां अनंतिम हैं तथा **संगठनात्मक आवश्यकता** के **अनुसार बढ़/घट सकती हैं.**
5. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की दिनांक 4 जनवरी, 2021 की अधिसूचना संख्याः 38-16/2020-डीडी-III **के अनुसार, उन पदों/विषयों की सूची** जिनके लिए पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार इस भर्ती अभियान के लिए **आवेदन करने के पात्र हैं, नीचे** दी गई है :-

पद	रोज़गार हेतु उपयुक्त निःशक्तता की श्रेणी
उप प्रबंधक (आईटी) – एप्लीकेशन डेवलपर	ओए, ओएल, ओएएल, एलवी, एचएच
उप प्रबंधक (आईटी) – साइबर सुरक्षा	ओए, ओएल, ओएएल, एलवी, एचएच
उप प्रबंधक (आईटी) –ओपन सोर्स एप्लीकेशन डेवलपर	ओए, ओएल, ओएएल, एलवी, एचएच
सहायक प्रबंधक (एफ एंड ए)	a) बी, एलवी
	b) डी, एचएच
	c) ओए, बीए, ओएल, **बीएल, ओएएल,** बीएलओए, बीएलए, एलसी, डी**डब्ल्यू, एएवी**
	d) एमडी उपरो**क्त (a) से (c) तक शामिल**
सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन)	a) बी, एलवी
	b) डी, **एचएच**
	c) **ओए, बीए, ओएल, बीएल, ओएएल,** सीपी, **एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी,** एमडीवाई
	d) एसएलडी, एमआई
	e) एमडी उपरोक्त (a) से (d) तक
सहायक प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन)	**a) एलवी**
	b) डी, एचएच
	c) ओए, बीए, ओएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी
	d) एएसडी(एम), एसएलडी, एमआई
	e) एमडी उपरोक्त **(a)** से **(d)** तक
सहायक प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी)	a) एल. वी.
	b) डी, एचएच
	c) ओए, बीए, ओएल, बीएल, ओएएल, सीपी, एलसी, **डीडब्ल्यू, एएवी**
	d) एएसडी(एम), एसएलडी, एमआई
	e) एमडी उपरोक्त (a) से (d) तक
सहायक प्रबंधक (विधिक)	**a) बी, एल.वी.**
	b) एचएच
	c) ओएल, ओए, **बीए, बीएल, ओएएल, बीएलओए, बीएलए,** एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी, एमडीवाई
	d) एसएलडी, एमआई
	e) एमडी उपरोक्त (a) से (d) तक

श्रेणी संक्षिप्तीकरण :

बी- दृष्टिबाधित, **एलवी-** कम दृष्टि, **डी-** बहरा, **एचएच-** सुनने में कठिनाई, **ओए-** एक हाथ, **ओएल-** एक पैर, **बीए-** दोनों हाथ, **बीएल-** दोनों पैर, **ओएएल-** एक हाथ और एक पैर, **बीएलओए-** दोनों पैर और एक हाथ, **बीएलए-** दोनों पैर और हाथ, **सीपी-** सेरेब्रल पाल्सी, **एलसी-** कुष्ठ रोग ठीक, **डीडब्ल्यू-** बौनापन, **एएवी-** एसिड अटैक पीड़ित, **एमडीवाई-** मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, **एएसडी-** ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एम = हल्का), **एसएलडी-** विशिष्ट सीखने की अक्षमता, **एमआई-** मानसिक बीमारी, **एमडी-** बहु-दिव्यांगता.

6. ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होने के लिए यात्रा किराये की प्रतिपूर्ति नहीं की जायेगी. वे अभ्यर्थी जो ऑनलाइन परीक्षा में लघुसूचीबद्ध किए गए हैं और अपने दस्तावेजों के सत्यापन के बाद साक्षात्कार के लिए उपस्थित होते हैं, वे निकटतम स्टेशन से साक्षात्कार स्थल तक 3-टियर एसी श्रेणी से ट्रेन के किराये की प्रतिपूर्ति के हकदार होंगे.

7. परीक्षा के संचालन में कुछ समस्या होने की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है, जो परीक्षा वितरण और/या परिणाम सृजित करने के कार्य को प्रभावित कर सकती है. ऐसी स्थिति में, समस्या को ठीक करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, जिसमें उम्मीदवारों का स्थानांतरण, परीक्षा में देरी शामिल हो सकती है. पुनः परीक्षा आयोजित करना परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था के पूर्ण विवेक पर निर्भर है. उम्मीदवारों के पास पुनः परीक्षा के लिए कोई दावा नहीं होगा. जो उम्मीदवार स्थानांतरित होने के लिए तैयार नहीं हैं या परीक्षा वितरण की विलंबित प्रक्रिया में भाग लेने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें प्रक्रिया से सरसरी तौर पर निरस्ता कर दिया जाएगा.

8. भर्ती से संबंधित सभी मामलों में एसपीएमसीआईएल का निर्णय अंतिम होगा और उम्मीदवार के लिए बाध्यकारी होगा. इस संबंध में एसपीएमसीआईएल द्वारा कोई पत्राचार या व्यक्तिगत पूछताछ पर विचार नहीं किया जाएगा.

9. यदि परीक्षा एक से अधिक सत्रों में आयोजित की जाती है, तो विभिन्न सत्रों में उपयोग की जाने वाली विभिन्न टेस्ट बैटरियों के कठिनाई स्तर में मामूली अंतर को समायोजित करने के लिए विभिन्न सत्रों के अंकों को बराबर किया जाएगा. यदि नोड्स की क्षमता कम है या किसी केंद्र या किसी उम्मीदवार के लिए कुछ तकनी**की व्यवधान** होता है, तो एक से अधिक सत्रों की आवश्यकता होती है.

10. एसपीएमसीआईएल सही और गलत उत्तरों की समानता के पैटर्न का पता लगाने के लिए **उम्मीद**वारों के व्यक्तिशः उत्तरों का अन्य उम्मीदवारों के उत्तरों के साथ विश्लेषण करेगा. यदि इस संबंध में एसपीएमसीआईएल द्वारा अपनाई गई विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उत्तर साझा किए गए हैं और प्राप्त अंक वास्तविक/वैध नहीं हैं, तो एसपीएमसीआईएल संबंधित उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और ऐसे उम्मीदवारों (अयोग्य) का परिणाम रोक दिया जाएगा.

11. चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में उम्मीदवार द्वारा गलत जानकारी देने और/या प्रक्रिया का उल्लंघन करने के मामले सामने आने पर उम्मीदवार को चयन प्रक्रिया से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसे भविष्य में किसी भी एसपीएम-सीआईएल भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यदि वर्तमान चयन प्रक्रिया के दौरान ऐसे मामलों का पता नहीं चलता है, परंतु बाद में इनका पता चलता है, तो ऐसी अयोग्यता पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी.

12. मकान किराया भत्ता, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण आदि जैसे भत्ते एसपीएमसीआईएल के नियमों के अनुसार देय हैं.

मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन)

(पृष्ठ 6 का शेष)

8.	जन्म तिथि					
9.	आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि के समय आयु	वर्ष	माह	दिन		
10.	पिन कोड सहित वर्तमान डाक पता (पत्राचार हेतु)					
11.	पिन कोड सहित स्थायी पता					
12.	वैध ईमेल आईडी					
13.	मोबाइल संख्या					
14.	शैक्षणिक योग्यता (10वीं कक्षा से आगे)	10वीं	12वीं	स्नातक	अन्य	
	i) परीक्षा का नाम					
	ii) विश्वविद्यालय/बोर्ड					
	iii) पास करने का माह और वर्ष					
	iv) विषय					
	v) अंकों का प्रतिशत					
15 क	तकनीकी योग्यता	आशुलिपि		टंकण		
	i) संस्था का नाम					
	ii) गति					
15 ख	क्या आपके पास कम्प्यूटर का कार्यसाधक ज्ञान है (कृपया जो भी लागू हो उसे चिन्हित करें)	हां		नहीं		
16.	प्राथमिकता के क्रम में परीक्षा केन्द्र के दो विकल्प,	1. 2.				
17.	कालक्रमानुसार रोज़गार का विवरण (यदि आवश्यक हो तो अपने हस्ताक्षर द्वारा विधिवत प्रमाणित एक अलग शीट संलग्न करें)	संगठन का नाम	धारित पद	कर्तव्यों की प्रकृति	से	तक
18	अतिरिक्त सूचना जिसका आप पद के लिए अपनी उपयुक्तता के समर्थन में उल्लेख करना चाहते हों, यदि कोई हो तो. (यदि आवश्यक हो तो अलग शीट संलग्न करें)					
19.	अनुलग्नकों की सूची					

घोषणा

(i) मैं एतद्द्वारा घोषणा/प्रमाणित करता हूं कि इस आवेदन में दिए गए सभी कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं. मैं समझता हूं कि परीक्षा से पहले या बाद में किसी भी जानकारी को दबाये जाने/झूठे या गलत पाये जाने या अयोग्यता का पता चलने की स्थिति में, मेरी उम्मीदवारी/मेरी नियुक्ति भर्ती के किसी भी चरण में रद्द की जा सकती है.

(ii) मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरे विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है.

दिनांक : ....

स्थान : ....

(अभ्यर्थी के हस्ताक्षर)

आवेदक के नियोक्ता/कैडर नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा दिये जाना वाला प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार, आवेदक द्वारा उपरोक्त आवेदन में दी गई जानकारी/विवरण सत्य और सही है. वह रिक्ति परिपत्र में उल्लिखित शैक्षणिक और तकनीकी योग्यताएं रखता है. चयनित होने पर उसे तुरंत कार्यभार से मुक्त कर दिया जाएगा .

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि :

i) श्री/श्रीमती.. के विरुद्ध कोई सतर्कता या अनुशासनात्मक मामला लंबित/विचाराधीन नहीं है.

ii) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित है.

iii) पिछले 10 वर्षों के दौरान उस पर कोई बड़ा/छोटा दंड नहीं लगाया गया है. अथवा
पिछले 10 वर्षों के दौरान उस पर लगाए गए बड़े/छोटे दंडों की सूची संलग्न है (जैसा भी मामला हो).

हस्ताक्षर : ....

नाम : ....

पदनाम : ....

(नियोक्ता/संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी मुहर सहित)

रोजगार के अवसर
(संक्षिप्त जानकारी)

सीएसआइआर
पद - टेक्निकल असिस्टेंट, टेक्नीशियन
पद संख्या - कुल 37 पद
अंतिम तिथि - 06 दिसंबर, 2024
https://www.cecri.res.in/

एनआईटी, जालंधर
पद - फैकल्टी
पद संख्या - कुल 132 पद
अंतिम तिथि - 28 नवंबर 2024
www.nitj.ac.in

बीपीएनएल
पद - लघु उद्यम विस्तार अधिकारी व अन्य
पद संख्या - कुल 2248 पद
अंतिम तिथि - 25 नवंबर 2024
https://bharatiyapashupalan.com

एम्स कल्याणी
पद - सीनियर रेजीडेंट
पद संख्या - कुल 76 पद
अंतिम तिथि - 24 नवंबर 2024
https://aiimskalyani.edu.in/

एम्स, राजकोट
पद - सीनियर रेजीडेंट
पद संख्या - कुल 41 पद
अंतिम तिथि - 27 नवबर, 2024
https://aiimsrajkot.edu.in/

यूपीएसएसएससी
पद - फीमेल हैल्थ ऑफिसर
पद संख्या - कुल 5272 पद
अंतिम तिथि - 27 नवंबर 2024
https://upsssc.gov.in/

पावरग्रिड
पद - ट्रेनी इंजीनियर
पद संख्या - कुल 802 पद
अंतिम तिथि - 19 नवंबर 2024
https://www.powergrid.in/

एमएससी बैंक
पद - ट्रेनी ऑफिसर
पद संख्या - कुल 75 पद
अंतिम तिथि - 23 नवंबर 2024
https://www.mscbank.com/

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

1. राजस्थान में साउथ एशिया एनर्जी फोरम का आयोजन कहाँ किया गया ?
(अ) उदयपुर (ब) जोधपुर (स) जयपुर (द) इनमें से कोई नहीं

2. राजस्थान को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य कब तक है ?
(अ) 2025 (ब) 2027 (स) 2030 (द) 2047

3. राजस्थान के शिल्पकार ने सुप्रीम कोर्ट में 'न्याय की देवी' की नई प्रतिमा बनाई है ?
(अ) विनोद गोस्वामी (ब) सुरेश चौधरी
(स) महेश जोशी (द) इनमें से कोई नहीं

4. हाल ही में राजस्थान में चर्चा में रहा 'ऑपरेशन कवच' किस क्षेत्र से संबंधित है ?
(अ) स्वास्थ्य (ब) शिक्षा (स) परिवहन (द) पर्यावरण

5. राजस्थान में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु राज्य के कितने संभागों में बालिका सैनिक स्कूल खोले जाएंगे ?
(अ) 8 (ब) 9 (स) 10 (द) 15

6. देवास परियोजना किस जिले से संबंधित है ?
(अ) उदयपुर (ब) कोटा (स) भरतपुर (द) जयपुर

7. राजस्थान में किस स्थान पर सूचना का अधिकार के बारे में जागरूकता हेतु संग्रहालय स्थापित किया जाएगा ?
(अ) बाड़मेर (ब) अजमेर (स) ब्यावर (द) अलवर

8. लोकायुक्त अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते है ?
(अ) विधानसभा अध्यक्ष (ब) राज्य सरकार
(स) मुख्यमंत्री (द) राज्यपाल

9. राजस्थान सरकार द्वारा कितने औद्योगिक हब विकसित किये जाएंगे ?
(अ) 21 (ब) 25 (स) 31 (द) 35

10. राजस्थान में कृषि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कौनसा इवेंट आयोजित किया जाएगा ?
(अ) ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ब) आपणो कृषि सम्मेलन
(स) ग्राम कृषि शिखर सम्मेलन (द) इनमें से कोई नहीं

11. नैनो पोरस जीओलाइट का उपयोग किया जाता है ?
(अ) मृदा की जलधारण क्षमता बढ़ाने में (ब) कीटनाशक के रूप में
(स) जिंक शोधन में (द) जल प्रदूषण घटाने में

12. नैनो विज्ञान एवं तकनीक संस्थान कहाँ स्थित है ?
(अ) मुंबई (ब) मोहाली
(स) शिलांग (द) इनमें से कोई नहीं

13. हाल ही में चर्चित कजान घोषणापत्र संबंधित है ?
(अ) एससीओ (ब) सार्क
(स) आसियान (द) ब्रिक्स

14. हाल ही में दिवंगत लोकनर्तक एवं पद्म श्री विजेता कनक राजू किस लोकनृत्य से संबंधित है ?
(अ) छऊ (ब) चरकुला
(स) गुस्साडी (द) इनमें से कोई नहीं

15. हाल ही में WHO से मंजूरी प्राप्त भारत की वैक्सीन 'जायकोव टीसीवी' का संबंध है ?
(अ) टायफाइड (ब) डेंगू
(स) टी.बी. (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

(1) स (2) ब (3) अ (4) स (5) ब (6) अ (7) स (8) द (9) स (10) अ (11) अ (12) ब (13) द (14) स (15) अ

(पृष्ठ 1 का शेष)

पढ़ाई कहाँ से -

इंटरनेट पर ढूंढ़ें तो ऑनलाइन सर्टिफिकेशन के कई विकल्प मिलेंगे। इनमें से कुछ निःशुल्क भी हो सकते हैं।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक), भारत सरकार की एक संस्था है । इसके कुछ केंद्रों पर पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिग डेटा अनलिटिक्स का कोर्स किया जा सकता है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नेलिट) के पास डेटा अनलिटिक्स में ऑनलाइन व ऑफलाइन कोर्स हैं।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी (आईआईटी), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी (एनआईटी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी (आईआईआईटी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) के कई केंद्रों पर डेटा संबंधी मास्टर्स प्रोग्राम उपलब्ध हैं। कई और इंजीनियरिंग या प्रबंधन संस्थानों, विश्वविद्यालयों में भी ऐसे कोर्स संचालित हैं। उदाहरण के लिए पुणे स्थित सीईओपी टेक्नोलाजिकल विश्वविद्यालय एक वर्ष की अवधि का पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन डेटा साइंस एंड आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस संचालित करता है।

बैचलर या मास्टर इन कंप्यूटर अप्लिकेशंस (बीसीए/एमसीए) करने के उपरांत भी आप डेटा अनलिटिक्स में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

कहीं भी प्रवेश लेते समय संस्थान, पाठ्यक्रम एवं फैकल्टी की गुणवत्ता से आश्वस्त हो लें ।

कहाँ मिलेगा रोजगार -

डेटा अनलिटिक्स के लिए रोजगार के अवसर ई कामर्स कंपनियों, आईटी, बीमा कंपनियों, बैंकों, म्यूचुअल फंड कंपनियों, स्टाक एक्सचेंज, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), क्रेडिट रेटिंग कंपनियों, फिनटेक कंपनियों, शोध संस्थानों, विज्ञापन एजेंसियों, बाजार शोध कंपनियों, कंसल्टिंग कंपनियों, एयरलाइंस, बड़े टीवी चैनलों आदि में हो सकते हैं। हाल में जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद ने अधिकारी-डेटा रिसर्च व अनालिसिस-मेक इन इंडिया की रिक्ति विज्ञापित की है। इससे पता चलता है कि डेटा अनलिटिक्स का प्रयोग किस प्रकार के संगठनों में हो रहा है। थोड़ा अनुभव हासिल करने के बाद आप इस विषय का शिक्षण-प्रशिक्षण देने का कार्य कर सकते हैं।

स्टार्ट अप के साथ-साथ कई कंपनियाँ बिग डेटा अनलिटिक्स की सेवा प्रदान करने के व्यवसाय में हैं जिनमें फ्रेशर्स तथा अनुभवी दोनों प्रकार लोगों की आवश्यकता होती है ।

वार्षिक अभिदाताओं/एजेंट हेतु आवश्यक सूचना

राजस्थान रोजगार संदेश (पाक्षिक) के वार्षिक अभिदाता बनने हेतु अथवा वर्तमान में चल रहे अभिदाता जिनका वार्षिक शुल्क समाप्त होने जा रहा है वें रु 60/- की राशि का भारतीय पोस्टल आर्डर या डिमान्ड ड्राट सहायक निदेशक (प्रकाशन) राजस्थान रोजगार संदेश के पक्ष में भेजकर इस पाक्षिक पत्र के वार्षिक सदस्य बन सकते हैं।

– संपादक

सूचना

राजस्थान रोजगार संदेश के प्रकाशित लेखों एवं प्रशिक्षण एक परिचय में प्रयुक्त विषय वस्तु लेखकों / संस्थानों की अपनी है। सम्पादक इन विषय वस्तु एवं इनसे उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार के विवाद के लिए किसी भी तरह उत्तरदायी नहीं है।

– सम्पादक

राजस्थान रोजगार संदेश

मुख्य सम्पादक
धर्मपाल मीना
निदेशक, रोजगार सेवा निदेशालय
राजस्थान, जयपुर
मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
डॉ. संजीव सोलंकी
सहायक निदेशक(प्रकाशन), राजस्थान रोजगार संदेश, जयपुर
डाक का पता : सहायक निदेशक प्रकाशन, दरबार स्कूल परिसर, गोपीनाथ मार्ग, जयपुर, पिनकोड- 302001
e-mail— adrs.jpr.emp@rajasthan.gov.in

स्वत्त्वाधिकारी, रोजगार सेवा निदेशालय, राजस्थान सरकार के लिए मुद्रक सहायक निदेशक(प्रकाशन) द्वारा डी.बी. कॉर्प लि. 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, फोन - 01416658888 (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर) से मुद्रित एवं दरबार स्कूल परिसर, गोपीनाथ मार्ग, जयपुर से प्रकाशित। संपादक - डॉ. संजीव सोलंकी